

तंबाकू नयित्रण का 'राजस्थान मॉडल'

चर्चा में क्यों?

18 मई, 2022 को भारत सरकार ने राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को कोटपा, 2003 के प्रावधानों को लागू करने हेतु राजस्थान सरकार की तरफ़ पर वशिष अभियान चलाने और तंबाकू नयित्रण के संबंध में 'राजस्थान मॉडल'का पालन करने के नरिदेश दये ।

प्रमुख बदि

- राजस्थान के स्वास्थय मंत्री परसादी लाल मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नरिदेश पर फरवरी 2022 में 100 दविसीय वशिष अभियान शुरू कया गया था, जसिका समापन 31 मई, 2022 को वशिष तंबाकू नषिध दविस (डब्ल्यूएनटीडी) पर होगा ।
- इस 100 दविसीय वशिष अभियान में गाँव से लेकर राज्य स्तर तक तंबाकू नयित्रण पर वभिनिन जागरूकता कार्यक्रम आयोजति कये जा रहे हैं । राज्य भर के गाँवों में स्कूलों में वाद-ववाद, चतिरकला और अन्य प्रतयोगतिओं का आयोजन कया गया । वजिताओं को 31 मई को राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सम्मानति कया जाएगा ।
- इसके अलावा अभियान में राज्य भर में सार्वजनकि स्थानों पर तंबाकू उत्पादों का उपयोग करने वाले 9.83 लाख से अधिकि लोगों को 1 मई से एक मेगा ड्राइव शुरू करके कोटपा, 2003 के तहत दंडति कया गया है ।
- राज्य स्वास्थय वभिण के संयुक्त नदिशक ने कहा कि राज्य में तंबाकू की खपत में लगभग 8% की कमी आई है ।
- उल्लेखनीय है कि 2003 में व्यापक तंबाकू नयित्रण कानून [सगिरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (वजिजापन का नषिध और व्यापार, वाणजिय, उत्पादन, आपूर्ति और वतिरण का वनिधिमन) अधनियिम - सीओटीपीए, 2003] बनाया गया, जसिका उददेश्य धूम्रपान मुक्त सार्वजनकि स्थान उपलब्ध कराना और तंबाकू के वजिजापन व प्रचार पर प्रतबिध लगाना है ।
- गौरतलब है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थय सर्वेकषण (एनएफएचएस)-5 (2019-21) के अनुसार कसी भी प्रकार के तंबाकू (15 वर्ष और अधिकि) का उपयोग करने वाले पुरुषों की संख्या 42% है, जबकि एनएफएचएस-4 (2015-16) में यह 46.9% है ।